Code—11

HINDI LITERATURE

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 150

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के अंक **30** हैं । प्रश्न क्रमांक **1** अनिवार्य है । खण्ड **'I'** से किन्हीं **दो** प्रश्नों तथा खण्ड **'II'** से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के खण्डों का उत्तर एक साथ दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिए : (4×7½=30)

(अ) अपभ्रंश एवं प्रारम्भिक हिन्दी की व्याकरण सम्बन्धी विशेषताएँ

(ब) हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में ब्रजभाषा का योगदान

P.T.O.

(स) राजभाषा की संवैधानिक स्थिति

(द) कबीर एक ओर तो अद्वैतवाद के समर्थक हैं और दूसरी ओर भगवद्भक्ति के दृढ़ स्तम्भ

(ई) 'असाध्यवीणा' की काव्यगत विशेषताएँ

(फ) "कामायनी छायावाद की सर्वश्रेष्ठ कृति है ।"

खण्ड I

2. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिये : (3×10=30)

(अ) आदिकालीन हिन्दी भाषा का स्वरूप

(ब) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

(स) हिन्दी नाटक की अधुनातन प्रवृत्तियाँ

(द) नयी कहानी ।

3. क्या रीतिकालीन काव्य दरबारी काव्य होते हुए भी लोक-जीवन से जुड़ा हुआ है । सोदाहरण उत्तर दीजिए । (30)

4. "पाश्चात्य प्रभावों के कारण हिन्दी की स्वतन्त्र समीक्षा-पद्धतियों का विकास नहीं हो पा रहा है ।" इस कथन के सम्बन्ध में अपना मत व्यक्त कीजिए । (30)

खण्ड II

5. निम्नलिखित पद्यांश/गद्यांश में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए और उनकी सौन्दर्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए : (15×2=30)

(अ) देखो, बन्धुवर, सामने स्थित जो वह भूधर
शोभित शत हरित गुल्म-तृण से श्यामल सुन्दर,
पार्वती कल्पना है इसकी मकरन्द-बिन्दु,
गरजता चरण-प्रान्त पर सिंह वह, नहीं सिन्धु
दशादिक समस्त हैं हस्त, और देखो ऊपर
अम्बर में हुए दिगम्बर अर्चित शशिशेखर,
लख महाभाव-मंगल पदतल धँस रहा गर्व
मानव के मन का असुर मंद हो रहा खर्व ।

(ब) नीलकमल की तरह कोमल आर्द्र, वायु की तरह हल्का और स्वप्न की तरह चित्रमय । मैं चाहती थी उसे अपने में भर लूँ और आँखें मूँद लूँ । ..... मेरा तो शरीर भी निचुड़ रहा है माँ ! कितना पानी इन वस्त्रों ने पिया । ओह ! शीत की चुभन के बाद उष्णता का यह स्पर्श ।

(स) कवित्व वर्णमय चित्र है, जो स्वर्गीय भावपूर्ण संगीत गाया करता है । अन्धकार का आलोक से, असत् का सत् से, जड़ का चेतन से, और बाह्य जगत् का अन्तर्जगत् से सम्बन्ध कौन कराती है ? कविता ही न !

6. 'कविता' क्या है' तथा 'श्रद्धा और भक्ति' को दृष्टिपथ में रखते हुए यह प्रमाणित करें कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपनी आलोचना में पाश्चात्य और भारतीय पद्धतियों का समन्वय किया है । (30)

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिये : (3×10=30)

(अ) 'मैला आँचल' की भाषा-शैली की शक्ति और सीमा

(ब) नागार्जुन की काव्य-संवेदना

(स) नायिका के रूप में 'दिव्या' का चरित्र

(द) 'भारत दुर्दशा' नाटक में व्यक्त तत्कालीन भारतीय स्थिति ।